Guru Nanak Dev Lecture Sub: "Management of Environmental Challenges"

A very relevant topic of todays' global scenario was discussed in Guru Nanak College, Dhanbad on 29th February 2020. It was 11th lecture of Guru Nanak Dev lecture series. The eminent speaker was Dr. Gurdeep Singh, a reputed professor from Department of Environmental Studies, IIT ISM Dhanbad, also former vice Chancellor of Vinoba Bhave University, Hazaribagh. Dr. Singh has been a very decorated scholar of environmental studies who has been visiting professor in more than dozens of universities globally. He is a member of board of environment and conservation, Govt. Of India. He an advisor to the Chief Minister of Jharkhand.

This was one of the most interactive lectures in which the participation of students was exceptionally good. Dr. Singh talked about the growing challenges related to the environment and also he explored about the possible measures to solve the environmental issues.

He asked the students to participate and query their questions then he answered the students' questions with great patience. The questions were mainly related to the very burning subject of the present day i.e., Corona virus, toilet cleanliness, Prime Ministers Swach Bharat Mission, pollution due to coal mines and excessive use of vehicles, global warming, use of solar energy and wind energy and lastly e-waste management.

He emphasised on changing the public mindset and making people more responsible towards their environmental duties to make the globe more liveable. To inspire the students, he quoted and exampled the famous personalities like Sachin Tendulkar, Bill Clinton, M. S. Dhoni, Arvind Kejriwal and few more.

The students also suggested their opinions for the cause. The discussion mainly circled towards the fact that in the era of globalization the peoples' mindset and sense of responsibility can bring substantial changes.

The lecture started with the bouquet presentation to Dr. Singh followed by welcome address of Principal P. Shekhar. After the lecture, Dr. Singh was felicitated with Memento presented by Dr. Ranjana Das, Prof-In-Change Girls' Wing. He was also decorated with shawl presented by Sardar Tejpal Singh, Chairman of Gurudwara Prabandhak Committee.

Dr. Sanjay Prasad Prof-In-Charge Boys' Wing proposed the vote of thanks. Dr. Varsha Singh compered the occasion and carried out the subject introduction.

Former secretary of the college Sardar D. S. Gill, Heads of departments, teachers non-teaching staffs and good number of students of the college attended the lecture and got benefitted.

GURU NAK COLLEGE, DH D
Accredited 'B' Gra
NANAK DEV
On
vironm
EEP SIN
ental St
29th
Auditoriu

URU NANAK COLLEGE, DHANBAD
NAAC Accreditated 'B' Grade
DEV LECTURE
onmental Challenges
SINGH Professor (HAG)
l Studies, IIT ISM, Dhanbad
9th February 2020
ditorium, Bhuda Campus

Press Release

← धनबाद **दैनिक भास्कर**

Page 6 Page 7 Page 8 Page 9 Page 10

पर्यावरण संबंधी चुनौतियों के संचालन विषय पर मंथन

धनबाद | गुरु नानक कॉलेज में शनिवार को गुरुनानक देव लेक्चर सीरीज के तहत 11वें व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का विषय था पर्यावरण संबंधी चुनौतियों का संचालन। इसके वक्ता थे आईआईटी धनबाद के पर्यावरण अध्ययन विभाग के प्रोफेशर सह वीभावि के पूर्व वाइस चांसलर डॉ. गुरदीप सिंह। उन्होंने दुनिया में बढ़ रहे पर्यावरण से संबंधित चुनौतियां और उसके हल के बारे में बातचीत की। उन्होंने बड़े ही धैर्य के साथ छात्रों के सवालों का जवाब भी दिया। छात्रों ने भी पर्यावरण को बचाने के लिए कई रोचक सुझाव दिए। व्याख्यान का आरंभ डॉ. वर्षा सिंह ने सभी को विषय की जानकारी देते हुए किया। मौके पर कॉलेज के प्राचार्य, प्रो. पी शेखर, सरदार तेजपाल सिंह, प्रो. संजय प्रसादआदि थे।

हिंदुस्तान

'पर्यावरण को लेकर जिम्मेदारी बढ़ी'

धनबाद | मुख्य संवाददाता

आईआईटी आईएसएम के पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग के वरीय प्रोफेसर सह विभावि के पूर्व कुलपति डॉ. गुरदीप सिंह ने कहा कि भूमंडलीकरण के दौर में जब विश्व का ध्यान पहचान का संकट, जलवायु परिवर्तन समेत अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं पर केंद्रित है। ऐसे दौर में हर इंसान की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। सभी लोगों को जागरूक होना होगा। प्रकृति की संसाधनों का सीमित उपयोग व संरक्षण की नितांत आवश्यकता है।

प्रो. गुरदीप सिंह शनिवार को गुरुनानक कॉलेज धनबाद में आयोजित गुरुनानक देव लेक्चरर सीरीज के तहत आयोजित 11वें व्याख्यान पर्यावरण संबंधी चुनौतियों का प्रबंध को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वेस्ट मैनेजमेंट, रिसाइक्लिंग प्रोसेस, अनावश्यक प्रकृति

गुरुनानक कॉलेज में शनिवार को कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि। • हिन्दुस्तान

के संसाधनों को दोहन व संरक्षण के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी। छात्र-छात्राओं से पर्यावरण से संबंधित चुनौतियों और समाधान के बारे में बातचीत की।

छात्रों को इनवायरमेंट मैनेजमेंट की आवश्यकता व महत्ता के बारे में बताया। मौके पर प्राचार्य प्रो. पी शेखर, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार तेजपाल सिंह, सरदार डीएस गिल, प्रो. संजय प्रसाद, प्रो. रंजना दास, प्रो. अरविंद कुमार, प्रो. अमरजीत सिंह, डा. मीना मालखंडी, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. दीपक कुमार, प्रो. संजय सिन्हा, प्रो. पुष्पा तिवारी, प्रो. पीयूष अग्रवाल आदि मौजूद थे। संचालन डॉ. वर्षा सिंह ने की।

Dhanbad City Ne...
epaper.jagran.com

पर्यावरण को बचाना सबकी जिम्मेवारी

जासं, धनबाद : भूमंडलीकरण के दौर में पूरा विश्व का ध्यान पर्यावरण पर आ रहे संकटों की पहचान, प्रव्रजन और जलवायु परिवर्तन पर है। ऐसे में हर व्यक्ति की जिम्मेवारी है कि पर्यावरण को बचाने में योगदान दे। ये बातें आइआइटी-आइएसएम पर्यावरण विभाग के प्रोफेसर डॉ. गुरुदीप सिंह ने कही। शनिवार को गुरुनानक कॉलेज में गुरुनानक देव लेक्चर सीरीज के तहत पर्यावरण संबंधी चुनौतियों का संचालन विषय पर आयोजित 11वें व्याख्यान में डॉ. सिंह ने कहा कि अब पर्यावरण को बचाना प्रत्येक इंसान की जिम्मेवारी है। उन्होंने पर्यावरण से संबंधित चुनौतियों और उनके हल की जानकारी दी। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने भी कई सवाल किए।

बढ़ रहीं पर्यावरण संबंधी चुनौतियां : डॉ गुरदीप सिंह

धनबाद. गुरुनानक कॉलेज में शनिवार को गुरुनानक देव लेक्चर सीरीज के तहत 11वां व्याख्यान का आयोजन किया गया. व्याख्यान का विषय 'पर्यावरण संबंधी चुनौतियों का प्रबंध' था. मुख्य वक्ता आइआइटी आइएसएम के पर्यावरण विभाग के प्रो और विभावि के पूर्व कुलपति डॉ गुरदीप सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए दुनिया में बढ़ रही पर्यावरण से संबंधित चुनौतियां और उनके हल के बारे में बताया. छात्रों ने भी पर्यावरण को बचाने के लिए कई रोचक सुझाव दिये. शुरुआत डॉ. वर्षा सिंह ने विषय की जानकारी देते हुए की. कार्यक्रम में प्राचार्य, प्रो. पी शेखर, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार तेजपाल सिंह, प्रो. संजय प्रसाद, प्रो. रंजना दास, छात्र-छात्राएं व कर्मी उपस्थित थे.

जीएन कॉलेज में ग्यारहवें गुरुनानकदेव व्याख्यानमाला का आयोजन

प्राकृतिक संसाधनों का सीमित उपयोग और संरक्षण जरूरी : डॉ गुरदीप सिंह

आवाज प्रतिनिधि

धनबाद। गुरुनानक कॉलेज में गुरुनानक देव जी व्याख्यानमाला के ग्यारहवें व्याख्यान का आयोजन कॉलेज के भूदा कैंपस में स्थित डेवाल ऑडिटोरियम में किया गया। व्याख्यान का विषय 'मैनेजमेंट ऑफ एनवायरमेंटल चैलेंजेज' था। मुख्य वक्ता के रूप में आइआइटी आइएसएम के एनवायरमेंट विभाग के डॉ गुरदीप सिंह उपस्थित थे। संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का सीमित उपयोग एवं संरक्षण बहुत जरूरी है। उन्होंने वेस्ट मैनेजमेंट, रीसाइकलिंग प्रोसेस, प्राकृतिक संसाधनों का अनावश्यक दोहन को रोकने एवं संरक्षण के तरीकों को बताया। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों से प्रश्न-उत्तर माध्यम से उनके जिज्ञासा पूर्ण सवालों के जवाब दिए। इसके पूर्व स्वागत भाषण कॉलेज के प्राचार्य प्रो पी शेखर ने किया। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष सरदार तेजपाल सिंह, प्रो इंचार्ज रंजना दास, भूदा कैंपस के प्रो इंचार्ज डॉ संजय प्रसाद, शासी निकाय के पूर्व सचिव सरदार डीएस गिल, प्रो अरविंद कुमार, प्रो अमरजीत सिंह, डॉ मीना मालखंडी, डॉ संतोष कुमार, डॉ दीपक कुमार, डॉ संजय सिन्हा, डॉ पुष्पा तिवारी, प्रो उदय सिन्हा, प्रो पीयूष अग्रवाल, प्रो स्नेहाल गोस्वामी, डॉ साधना सिंह समेत सभी विभागों के विद्यार्थी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे।

आवाज़